



REET 2025 LEVEL-1&2



वंदन बैच

संस्कृत

संज्ञा एवं संधि प्रकरण



LIVE

08-01-2025 03:00 PM

वेन्ना प्रकरण

① आगम :-

मित्रवदागमः

परि + द्वेः = परिद्वे
इय इ
य आगम

② आदेश :-

शत्रुवहादेशः

प्रति + एक = प्रत्येक
२

हलान्तवाः संयोगः

कृष्ण = क् + ऋ + ष + ण् + अ

पुष्पा = प् + उ + ष + प + आ

शरत् = श् + अ + ष + ट् + र + अ

संयोग

संयोग

संयोग

(५)

उपधा :-

अलोऽन्त्यात् पूर्व उपधा

राजन् = र् + आ + ज् + अ + न्

जगत् = ज् + अ + ग् + अ + त्

हरि = ह् + अ + र् + इ

उपधा संज्ञक

उपधा

⑤ रि संज्ञा :- अचौऽन्त्यादि रि .

राजान् = रु + आ + ज् + अ + न्

आत्मन् = आ + त् + म् + अ + न् ^{अन्} रि = अन्

मनस = म् + अ + न् + अ + स + रि =

दक्षि = द् + अ + ध् + इ = द्ध = द्ध रि स

सर्वण सेवा :- तुल्यमास्यप्रयत्न सर्वणम्

उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न समान = सर्वण

य

तालु, स्पर्श

क्ष

तालु, स्पर्श

= सर्वण

ख = कण्ठ

ठ = मूढा

य

क्ष

तालु, स्पर्श

गुण संज्ञा :- अद्वयः गुणः



अत एवः गुण

अ ए ओ

वृद्धि संज्ञा :-

वृद्धिवाक्येच

↓
वृद्धिः

आत्

ऐच्

↓
आ

↓
ऐ

औ

⇒ वृद्धि

संहिता वंजा :-

पुः सान्निर्कर्षः संहिता

इति + आदि

(इ + आ)

↓
संहिता → सां

सांख्य

अच सांख्य

हल्

विरागी सांख्य

जमः + तेः नमस्ते
कः + आपि = कोडापि

: + क्वर/क्वज

स्वर + स्वर

क्वजज + क्वर/क्वजज

त्रिपुर + आरि

अ अ
आ त्रिपुरारि

वाक् + ईशः = वागीशः

एतत् + मुरारि = एतन्मुरारि

અચ્ સાંધે

- ① સવર્ણ દીર્ઘ સાંધે
- ② ગુણ સાંધે
- ③ ત્રિફ્ સંધે
- ④ યણ સાંધે
- ⑤ અઘાદિ સાંધે
- ⑥ પર્વકપ સાંધે
- ⑦ પર્વકપ સાંધે
- ⑧ પ્રકૃતિભાવ સાંધે

सवर्ण दाघ साधः -

अकः सवर्ण दाघः



लृकः दीर्घः नहीं।

अ इ उ ऋ लृ + अ इ उ ऋ लृ

१२३४
लृकः

अ + अ = आ	=	त्रिपुर + अरि = त्रिपुरारि
आ + अ = आ	=	विधा + अर्थी = विधार्थी
अ + आ = आ	=	हिम + आलय = हिमालय
आ + आ = आ	=	

हरि + इन्द्रः = हरीन्द्रः

हरि + ईशः = हरीशः

कपि + इन्द्रः = कपीन्द्र

३ + ३
भानु + उदय = भानूदय
साधु + उपेक्षा = साधूपाेक्षा

सु + उत्तम = सूत्तम

पितॄ + तृणाम् = पितॄणाम्

मातॄ + तृणाम् = मातॄणाम्